# एहसान तुम्हारे ओ बाबा...

ब्र.कु.सूर्य,माउण्ट आबू

विकारों के गर्त में पड़कर हमने दु:खों का आह्वान कर लिया था। माया ने हमें मार ही डाला था। काम-क्रोध की अग्नि में जल-जल कर हम भष्मीभूत हो गये थे, हम तो मूर्छित थे, आपने हमें शक्तियां, वरदान दिये और माया पर विजयी बना दिया.... माया से जहां सारा जहान् हार मान चुका, वहां आपने हमें महावीर बनाकर माया को नष्ट करना सिखा दिया। माया से मुक्त होकर हम सुखी हो गये। हमारा चित्त शांत हो गया... हे सर्व शक्तिवान आपको लाखों-लाखों बार शुक्रिया।

साधना के पथ पर अग्रसर कई लोग छोटी-मोटी बातों से अपनी खुशी को नष्ट कर लेते हैं। वे यदि अपनी प्राप्तियों पर एक दृष्टि डालें तो उन्हें एहसास होगा कि उन जैसा भाग्यवान व खुशनसीब तो सारे जहान में कोई भी नहीं है, वे स्वयं ही जहान के नूर हैं। रोज़ रात्रि को व सवेरे आँख खुलने पर अपने प्राणेश्वर से योग लगाते हुए उसे सच्चे दिल से धन्यवाद दें। अपनी प्राप्तियों को सम्मुख देखकर व परमपिता के प्यार में मग्न होने पर मन आनंद का भंडार बन जायेगा।

तो प्राप्तियों का आनंद लें और जो प्राप्त नहीं है, उसके लिए प्रयास करें परन्तु परेशान न हों। मन आनंदित रहने से प्राप्तियाँ परछाई की तरह पीछे चलेंगी।

तो उठते ही याद करें.... वाह, मेरा भाग्य वाह... आँख खुलते ही प्रभु मिलन..... लोग तो उठते ही व्यर्थ विचारों में परेशान होते हैं और हम भगवान से बातें करते हैं। हमें कुछ मिले या न मिले, स्वयं भगवान मिल गये.... क्या यह साधारण बात है। जिसके दर्शन बड़े-बड़े तपस्वियों को भी नहीं होते, वो सर्वशक्तिवान स्वयं हमसे मिलने आया। और हमारा केवल परमात्म मिलन ही नहीं हुआ, वो स्वयं हमारा हो गया। जैसे ही हमने कहा ... हे शिव बाबा हम तुम्हारे हैं, उसने भी कहा - मैं तुम्हारा हूँ..... मेरा सब कुछ तुम्हारा है.... मैं हूँ ही तुम्हारे लिए। इतना ही नहीं, उसने वायदा भी किया कि जब भी तुम मुझे बुलाओगे, मैं हज़ार भुजाओं सहित तुम्हें मदद करने के लिए उपस्थित हो जाऊंगा। ज़रा गंभीरता से सोचें.... इससे बड़ा भाग्य व अधिकार और क्या हो सकता है।

उसे दिल से कहो कि हे प्राणेश्वर... आपका बारम्बार धन्यवाद। आपने हमें नया जीवन प्रदान किया। हम तो कहां पहुंच गये थे, मनुष्य भी नहीं रहे थे, आपने हमें अपना बनाया, हमें स्वीकार किया और ये सुख भरा जीवन प्रदान किया। आपने आकर हमारे दु:ख हर लिये, हमारे मन के बोझ उतार दिये, आपने हमारे आँसू पोछे, आपने हमें जीना सिखाया, आपको शत्-शत् प्रणाम.... उनसे सच्चे दिल से बातें करें.... हे दिलों को आराम देने वाले, आपने आकर हमें सहारा दिया.... इस जहान् में हम असहाय थे, बेसहारा थे.... आपने हमें अपनत्व दिया, अपना पावन प्यार दिया.. आप आये और हमारी जीवन नैय्या के खिवैय्या बन गये... आपको सहस्र बार धन्यवाद.... हमारी नैय्या तो इस भव सागर में डूब सी रही थी, हमें कोई भी किनारा नहीं मिलता था.... आपने ज्यों ही कहा .... बच्चे मैं तुम्हारे साथ हूँ - हमें हिम्मत मिल गई, दिल को सच्चा सहारा मिल गया... आपको बारम्बार शुक्रिया।

विकारों के गर्त में पड़कर हमने दु:खों का आह्वान कर लिया था। माया ने हमें मार ही डाला था। काम-क्रोध की अग्नि में जल-जल कर हम भष्मीभूत हो गये थे, हम तो मूर्छित थे, आपने हमें शक्तियां, वरदान दिये और माया पर विजयी बना दिया.... माया से जहां सारा जहान् हार मान चुका, वहां आपने हमें महावीर बनाकर माया को नष्ट करना सिखा दिया। माया से मुक्त होकर हम सुखी हो गये। हमारा चित्त शांत हो गया... हे सर्व शक्तिवान आपको लाखों-लाखों बार शुक्रिया।

पाप कर्मों की गठरी उठाये हम यह भी नहीं जान पाते थे कि ये पाप है... हमने पापों को ही पुण्य समझ लिया था। पाप ने सबकी बुद्धि को मलीन व मन को निर्बल कर दिया था। आपने हमें कर्मों का ज्ञान दिया, पाप से मुक्त किया। हमें सच्चा राजयोग सिखाकर हमारे पाप कर्मों को भष्म कराया.... आपको कोटि-कोटि बार धन्यवाद....।

अकेले थे हम, मिल गये तुम तो दिल को सहारा मिला.... हे परमपिता आपको पाकर हमें जन्म-जन्म की भक्ति का फल मिल गया... हमने आपका निरादर भी किया, हमने पाप भी किये... हे सागर तुल्य आपने हमें क्षमा कर दिया.... आपने हमें किनारा दिया, हमें अपना लिया.... आपने हमारी पालना की.... आप स्वयं हमारे सद्गुरु बनकर आ गये... आपने हमे अनेक बन्धनों से मुक्त कर यहीं जीवनमुक्त बना दिया ... आपको पद्मा-पद्म बार धन्यवाद.....।

इस तरह सोने से पूर्व व उठते ही अपने प्राणेश्वर को धन्यवाद दें और याद करें कि स्वयं भाग्य विधाता ने मेरे भाग्य का निर्माण किया, मैं पद्मापद्म भाग्यशाली हूँ.... मैं भाग्यवान हूँ.... मैं भाग्यवान हूँ.... यह याद करते-करते सो जाओ... आपका सोया हुआ भाग्य जग जायेगा। आप बाबा से कुछ भी मांगें नहीं, जो उसने कहा है, उसे अंतरमन में समा लें।

यदि आपके पास धन का अभाव है तो आप शिव बाब से धन मांगें नहीं। जब आपको नींद आ रही हो और जब आप सोकर उठे तो याद करें... बाबा आपने मुझे बहुत धनवान बना दिया... आपको बहुत-बहुत शुक्रिया... मैं धनवान हूँ - यह याद करते-करते सो जाओ आपके पास धन वृद्धि होने लगेगी।

इस तरह आप सदा खुश रहेंगे व परमात्म प्रेम में मग्न रहेंगे। याद रहे जहां खुशी होती है, वहां सहज ही लक्ष्मी का वास होता है और जहां लड़ाई-झगड़े होते हैं, वहां से लक्ष्मी रुष्ट हो जाती है। आपको सब कुछ मिल जायेगा यदि आप अपने मन को व्यर्थ व निगेटिव संकल्पों से मुक्त कर देंगे।

धुरी-पंजाब। शिव जयंती के अवसर पर ईश्वरीय स्मृति में बिज़नस कमेटी के प्रेसीडेंट विजय कुमार, एडवोकेट जसवीर रतन, राम बाग कमेटी के प्रेसीडेंट एडवोकेट पवन कुमार गर्ग, ब्र.कु. ब्रिज बहन, ब्र.कु. मूर्ति बहन व अन्य।

फरीदाबाद-सेक्टर 35। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक ललित नागर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सपना, ब्र.कु. शिल्पा, ब्र.कु. ईश्वर व अन्य।

हिसार-हरियाणा। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ईश्वरीय स्मृति में विधायक रणवीर सिंह गंगवा, ब्र.कु. रमेश कुमारी, डॉ. आर.पी. गिलोत्रा, कर्नल सूरजभान, पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, पूर्व सरपंच नरेश पुनिया, ब्र.कु. अनीता, ब्र.कु. वीना, ब्र.कु. मंजू व अन्य।

फाज़िलनगर-उ.प्र.। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव मंदिर पर आध्यात्मिक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कुंवर महेश्वर प्रताप साही, ब्र.कु. भारती, ब्र.कु. सावित्री, ब्र.कु. सूरज व रामप्रसाद श्रीवास्तव।

कानपुर-नयागंज। शिव जयंती पर निकाली गई आध्यात्मिक रैली में भाग लेते हुए ब्र.कु. रेखा, ब्र.कु. क्षमा, ब्र.कु. शिखा व अन्य ब्र.कु. भाई बहनें।

किशनगढ़-शिवाजी नगर(राज.)। 80वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महापर्व पर निकाली गई विभिन्न प्रकार की झाँकियों से युक्त शोभा यात्रा में भाग लेते हुए ब्र.कु. शांति व अन्य ब्र.कु. भाई बहनें व मातायें।

भरतपुर-राज.। ओ.पी.जैन.,आई.ए.एस.,ए.डी.एम.,प्रशासन अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञानचर्चा के बाद ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए ब्र.कु. बबिता।

सुपौल-बिहार। मुलाकात के पश्चात सांसद रंजीता रंजन को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. शालिनी।

आगरा-शास्त्रीपुरम। शिव जयन्ती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम के दौरान शिवध्वजारोहण करते हुए डॉ. हिमांशु,आई स्पेशियलिस्ट एण्ड एचओडी ऑफ मेडिकल कॉलेज, इन्द्रपाल सिंह,रिटायर्ड डिस्ट्रिक्ट सप्लाई ऑफीसर, शरद पालीपाल,चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, डॉ. प्रेरणा, ब्र.कु. सरिता एवं ब्र.कु. मधु।

राऊरकेला-ओडिशा। `स्पीरिच्युअलिटी इन रिसर्च' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए सुशील चन्द्र,साइंटिस्ट,डी.आर.डी.ओ., ब्र.कु. श्रीकांत, ब्र.कु. बिमला, श्याम सुंदर पटनायक,वी.सी.,बी.पी.यू.टी., संजय मुरारका,उद्योगपति व चन्द्रहास खुटे,वाइस प्रेसीडेंट,आधुनिक मेटालिक्स।